an>

Title: Need to set up a 'Rashtriya Sanskritik Ved Shodh Evam Adhyyan Kendra' as well as a branch of Rashtriya Sanskrit Shiksha Sansathan and Banaras Hindu Vishwavidyalaya in Buxar, Bihar.

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) ः मेरा संसदीय क्षेत्र बक्सर जो प्राचीन सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक धरोहर के रूप में सुविख्यात पुराणों में वर्णित "व्याघ्रसर " महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि के रूप में जाना जाता है। यह साधू-सन्तों एवं ऋषि-मुनियों की साधना केन्द्र रही है। मर्यादा पुरूषोत्तम राम के बाल्य काल की यह "शिक्षा-दीक्षा भूमि " (प्रशिक्षण स्थल) के रूप में सुप्रसिद्ध है, जहां महर्षि विश्वामित्र के सान्निध्य में प्रशिक्षण प्राप्त कर ताड़िका सुर का वध भगवान राम के हाथों त्रेता युग में हुआ था।

अतएव केन्द्र सरकार से आग्रह है कि अपने प्राचीन शास्त्र , वेद, ग्रन्थों आदि के शोध एवं अध्ययन हेतु "राष्ट्रीय सांस्कृतिक वेद शोध एवं अध्ययन केन्द्र " की स्थापना की जाये। साथ ही "राष्ट्रीय संस्कृत शिक्षा संस्थान " की शाखा, जो सभी राज्यों में होता है बिहार में इसकी शाखा नहीं है। अतएव बिहार राज्य के बक्सर में, जो उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित है, यहाँ "राष्ट्रीय संस्कृत शिक्षा संस्थान " का एक केन्द्र भी खोला जाये। इसके साथ-साथ "काशी हिन्दू विश्वविद्यालय " का एक उपकेन्द्र भी यहाँ स्वीकृत किया जाये, जिससे हजारों छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन हेतु सुविधा प्राप्त हो सके।